an>

Title: Regarding Terrorist attack on a police station at Kathua in Jammu and Kashmir by armed militants.

HON. SPEAKER: Now, the House will take up `Zero Hour'.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): I do not want to take the time of the House. Anyway, the Home Minister is present here. I would like to raise an issue of public importance. A terrorist attack took place in Kathua district of Jammu on early Friday morning. A policeman and a civilian were killed when a group of heavily armed terrorists attacked a police station in Kathua district. Nine other people including seven from the Central Reserve Police Force, one policeman and one civilian have been reportedly injured in the assault which began at 6.20 a.m.

A senior officer said that terrorists opened fire using automatic weapons at the police station, and forced their entry into the building. Heavy exchanges of fire took place. Initially one policeman was killed in the initial attack. One of the injured civilians succumbed to injuries in hospital. According to the information which we have received through media, and other sources, heavy gunfight is still on in the area to neutralize the terrorists who are holed up inside the police station.

This is the first terrorist attack since the new Government of Peoples Democratic Party-BJP took office in Jammu & Kashmir. I do not want to make politics out of it because this has repeatedly been happening in Jammu & Kashmir. Why is Intelligence not acting immediately? Why is information not given to the Government of India? Why is the Chief Minister silent about all these activities? Is he directly supporting these activities or has he got some allergy to inform the Central Government? We want to know that. Not only this, several other things also happened without your knowledge. They released so many terrorists without informing you. That is why, Madam, through you, I request him to make a statement. It should not happen repeatedly.

HON. SPEAKER: He has already responded.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : I know, he has already made his statement in the Rajya Sabha. I am also aware of that. That is not important. But, my request is this. In spite of warning from the Prime Minister, in spite of warning from the Home Minister, why such things are happening? There is some lacuna. Either your Chief Minister is not listening to you or you are not taking any action against them. So, I want to know about this.

गृह मंत्री **(**श्री राजनाथ सिंह**) :** अध्यक्ष महोदया, अभी कांग्रेस संसदीय दल के नेता श्री खड़गे जी ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस स्टेशन पर हुए फिदायीन आतंकवादी हमले का प्रश्न सदन के सामने उठाया है। मैं यह जानकारी देना चाहता हूं कि आज ही सुबह छः बजकर बीस मिनट पर आतंकवादी गेट पर तैनात एक सन्तरी की हत्या करके जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के राजबाग पुलिस स्टेशन में दाखिल हो गए। यह पुलिस स्टेशन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-1 पर स्थित है। यह पुलिस स्टेशन कठुआ शहर से 15 किलोमीटर उत्तर में है एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। अभी-अभी जो जानकारी प्राप्त हुई है, उस प्राप्त सूचना के आधार पर मैं यह बताना चाहूंगा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस एवं सीआरपीएफ के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकवादियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। मैं समझता हूं कि यह सदन, जम्मू-कश्मीर पुलिस एवं सीआरपीएफ जवानों, जिन्होंने फिदायीन आतंकवादियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है, के शौर्य एवं पराक्रम की सराहना करता है। इसके अतिरिक्त, वहां पर एक आम नागरिक को फिदायीन आतंकवादियों ने मार दिया है, उसके परिवार के प्रति हम संवेदना व्यक्त करते हैं। साथ ही, जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों के परिवारजनों एवं सीआरपीएफ जवानों के परिवारजनों के प्रति भी यह सदन अपनी संवेदना व्यक्त करता है। जो लोग घायल हुए हैं, उनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो जवान, सीआरएफ की 121 बटालियन के सात जवान और एक सिविलियन व्यक्ति घायल हुए हैं।

अध्यक्ष महोदया, मैं समझता हूं कि यह कोई विवाद करने का प्रश्न नहीं है कि किसने क्या किया, किसने कैसे रिस्पांड किया। अभी तुरंत ही यह ऑपरेशन समाप्त हुआ है, ऐसी जानकारी मुझे मिली है, इसलिए मैंने अपना यह दायित्व समझा कि संसद के समक्ष उपस्थित होकर मुझे यह सूचना देनी चाहिए, इसलिए यही सूचना देने के लिए मैं इस सदन में आपकी इजाजत से खड़ा हुआ हूं।

HON. SPEAKER: Item 26. Shri Nitin Gadkari *ji*, you have to make a statement.

श्री मोहम्मद सलीम **(**रायगंज**) :** मैडम, आइटम 27 हो गया है, कई मंत्री नहीं थे तो संसदीय कार्य मंत्री ने उनकी जगह पर बोल दिया।

माननीय अध्यक्ष **:** क्या हो गया। किस बारे में बोल रहे हैं?

श्री मोहम्मद सलीम**:** मैडम, आइटम नंबर 26 रह गया, आपकी परमीशन लेकर वह इसको भी बोल सकते थे।

माननीय अध्यक्ष **:** राज्य सभा में वोटिंग है, बोला था, आपको समझ लेना चाहिए।

श्री नितिन गडकरी जी ।

12.13 hrs

STATEMENTS BY MINISTERS ..... Contd.